लोकायत शिक्षण संस्था, अहमदपूर द्वारा संचलित

भाई किशनराव देशमुख महाविद्यालय, चाकूर

जिला लातूर पिन कोड- ४१३५१३

रुप-रेखा

हिंदी विभाग

पूनर्मूल्यांकन

२००५-०६ - २०१२-१३

हिंदी विभाग का संक्षिप्त परिचय :-

भाई किसनराव देशमुख महाविद्यलाय की स्थापना १९९० में हुई। तबसे लेकर आजतक हिन्दी विभाग कि ओर से हिन्दी भाषा के विकास एवं प्रचार प्रसार हेतू विविध उपक्रमो का आयोजन विभाग की ओर से किया गया है।

हिन्दी भाषा आज भारत वर्ष की एक संपर्क भाषा के रुप में उन्नत हुई है। १४ सित्मबर १९४९ में एकमत से हिन्दी भाष को संघ की भाषा तथा राजभाषा के रुप में मान्यता दी गई। इसी उपलक्ष्य में महाविद्यालय में हिन्दी द्वितीय भाषा तथा ऐच्छिक हिन्दी भाष की छात्रों की बैठक लेकर हिन्दी साहित्य मंडल का गंठन कर छात्रों के लिए हिन्दी मंच उपलब्ध करा कर हिन्दी के विद्वानोंका व्याख्यान आयोजित करना तथा छात्रों के हिन्दी अभिवृद्धी के लिए विविध उपक्रमों का आयोजन करना यह कार्य हिन्दी विभाग विगत २४ वर्षे से आजतक कर रहा है । ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे महाविद्यालय में किसान तथा गरीब छात्र और छात्राएँ आर्थिक दृष्टि से दुर्बल होने के कारण उन्हें विभाग की ओर से शूल्क में तथा पुस्तको के लिए विभाग से कुछ आर्थिक सहायता भी कम अधिक रुप में दी जाती है। विभाग से नये विषयों लेकर छाात्रों को मार्गदर्शन किया जाता है । अन्य स्थानों से विद्वानों को आंमत्रित कर अलग -अलग विषयों लेकर व्याख्यान दिये जाते है। जैसे उदाहरण में - मीडिया लेखन, जनसंचार माध्यम , विज्ञापन लेखन ,अनुवाद, आकाशवाणी, दुरदर्शन, पत्रकारिता एवं संवादाता, कम्प्युटर (संगणक) के संदर्भ जानकारी देते है। बावजूद पाठयक्रम पर भी विषयानुसार विषय तज्ञों को आंमत्रित कर विभाग इन छात्रों के विषय इ ाान से लाभान्वित करते है । हिन्दी विभाग **हिन्दी साहित्य मंडळ** की स्थापना प्रतिवर्षे गठीत करता है तथा छात्रो को हिन्दी मंच उपलब्ध कराता है। साहित्य मंडळ की ओर से वक्तृत्व ,शुध्दलेखन , काव्य-पठन , कहानी -पठन ,निंबध लेखन प्रतियोगिताओं का तथा विभिन्न उपक्रमों का आयोजन कर जैसे हिन्दी से बँक में कैसे कार्य संपन्न होता है , रेल आरक्षण किस प्रकार हिन्दी मे किया जाता है उसकी पुरी जानकारी प्राप्त कराना हिन्दी विभाग का लक्ष्य रहा हैं । डॉ. जोगेद्रसिंह बिसेन , डॉ. नागनाथ कुंठे ,डॉ. नीलकंठ उस्तुरे ,डॉ. कल्पना व्हसाळे, डॉ. बलभीमराज गोरे,डॉ. अंबादास देशमुख,डॉ.राजश्री भामरे, डॉ. नामदेव उतकर, डॉ. दीनानाथ फुलवाडकर,डॉ. सतीश यादव, डॉ. व्यंकट पाटील आदि हिन्दी विद्‌वानों तथा लेखकों के व्याखानों का आयोजन कर छात्रों कों हिन्दी भाषा के साहित्यिक गतिविधियों परिचित किया जाता रहा है। । इन विद्वानों का व्याख्यान आयोजित कर छात्रो कों हिन्दी का महत्त्व और विविध विषय के ज्ञान से अवगत कराया गया । यही प्रयास हिन्दी विभाग पिछले कई वर्षो से कर रहा है।

भारतेंदु हरिश्चंद्रजी ने यह कहा था, **निज भाषा की उन्नती अहै सब उन्नती को मूल** इस कथन के आधार पर महाविद्यालय में छात्रों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है ।

आज हिन्दी केवल राजभाषा ही नही , लोकमानस में संपर्क के कारण राष्ट्रभाषा की ओर अग्रेसर हो रही है। आज हिन्दी राष्ट्रीय सम्मान तथा अस्मिता का प्रतीक बन गई है। जिस प्रकार राष्ट्रीयता की पहचान राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगीत, राष्ट्रीय स्मारक, राष्ट्रीय व्यक्तित्व से होती है। उसी प्रकार आज भारत वर्ष की भाषा हिन्दी है यही भाषा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्व प्राप्त प्राप्त कर चूकी है।

हम हिन्दी विभाग की ओर से राष्ट्रीय भावनोओं के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे है। आजतक महाविद्यालय में हिन्दी पाठ्यक्रमपर विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यशालोओं का आयोजन तथा राज्यस्तरीय संगोष्ठीयों का आयोजन किया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से वर्ष २००५ से C.O.C. हिन्दी पाठ्यक्रम की शुरुवात कर रोजगाराभिमूख व्यवहारिक हिन्दी का महत्त्व इस विषय पर पाठ्यक्रम की रचना कर कोर्स, डिप्लोमा, ॲडव्हान्स डिप्लोमा के प्रमाणपत्र छात्रों को दिये।

हिन्द विभाग में असोसिएट प्रोफेसर तथा अध्यक्ष के रूप में. डॉ. अल्लाबक्ष जमादार पिछले २३ वर्षो से कार्यरत है।सहयोगी प्राध्यापक के रूप में प्रा.राजा विभूते तथा प्रा. बबीता मानखेडकर कार्यरत है।

उद्दिष्टें

१. हिन्दी विषय के प्रति आकर्षण निर्माण करते हेतू छात्र एवं छात्राओं के लिए विविध उपक्रमो का आयोजन

२. महाविद्यालय में हिन्दी छात्रों के लिए हिन्दी साहित्यक मंडल का गंठन करना तथा छात्रों को हिन्दी मंच
उपलब्ध करा देना।

३. महाविद्यालय में प्रति वर्ष १४ सित्मबर को हिन्दी सप्ताह समारोह का ओयाजन कर उसके अंतर्गत छात्रोओं के संभाषण
एवं लेखन उनके विकास उन्नति के लिए विविध उपक्रम जैसे व्याख्यान, काव्यपठन, कथापठन, निबंध लेखन, शुद्ध लेखन
प्रतियोगिता का आयोजन करना।

४. महाविद्यालय में हिन्दी विषय के पाठ्यक्रमपर कार्यशाला का आयोजन तथा संगोष्ठी,सेमीनार आदि का आयोजन करना।

५. हिन्दी भाषा एवं साहित्य के प्रचार प्रसार हेतू कार्य करना ।

६. महाविद्यालय में संशोधन कार्य में वृद्धि करने हेतू हिन्दी में विविध विषयोंपर प्रकल्प लेखन के लिए छात्रो को प्रोत्साहन
देना।

७. महाविद्यालय में हिन्दी विभाग की ओर से प्रयोजन मूलक हिन्दी का महत्त्व छात्रोंओ को बताना । जैसे-संगणक में
हिन्दी, बँकों में हिन्दी, डाक में हिन्दी, सरकारी कार्यालयों मे हिन्दी का महत्त्व तथा मीडिया ओर हिन्दी फिल्म,विज्ञापन
लेखन, पत्रकारिता में हिन्दी का महत्त्व आदि से छात्रों को अवगत कराना ।

हिन्दी विभाग में उपलब्ध कोर्स

अ.क्र.	विषय पाठ्यक्रम	अवधी	प्रवेश क्षमता
१	बी.ए. हिन्दी (ऐच्छिक)	३ वर्षे	१२०
२	बी .ए.,बी. कॉम I, II हिन्दी (द्वितीय भाषा)	२ वर्षे	१२०
३	सी.ओ.सी. हिन्दी	२००५ से २००९	१२५
४	एम.फिल. के मार्गदर्शक	२ वर्षे	-
5	पीएच.डी. उपाधि मार्गदशक	४ वर्षे	०८

अध्यापकों का परिचय

अ. क्र.	अधिव्याख्याता का नाम	पात्रता	पद	अनुभव
1	डॉ.अल्लाबक्ष. एच. जमादार असोसिएट प्रोफेसर	एम.ए.एम.फिल. पीएच.डी. (हिन्दी) रीडार एवंम गाईड	अध्यक्ष हिन्दी विभाग, असोसिएट प्रोफेसर,स्वा.रा.ती. म. वि.नांदेड , अध्यक्ष- हिन्दी अध्ययन मंडल	२३ वर्षे
2	प्रा.विभूते आर.व्ही.	एम.ए. (हिन्दी)	असिस्टंट प्रोफेसर	१९ वर्षे
3	प्रा.मानखेडकर बी.एस.	एम.ए.एम.फिल. (हिन्दी)	असिस्टंट प्रोफेसर	१७ वर्षे

प्रवेशित छात्रों की संख्या तालिका

नॅक मूल्यांकन २००३-०४

वर्षे	बी.ए. I	बी.ए. II	बी.ए. III	कुल
१९९८-९९	६८	२८	२७	१२३
१९९९-२०००	६३	४३	२०	१२६
२०००-२००१	६०	१७	३०	१०७
२००१-२००२	६४	३२	१०	१०६
२००२-२००३	७८	२८	२८	१३४
२००३-२००४	७९	३३	१५	१२७

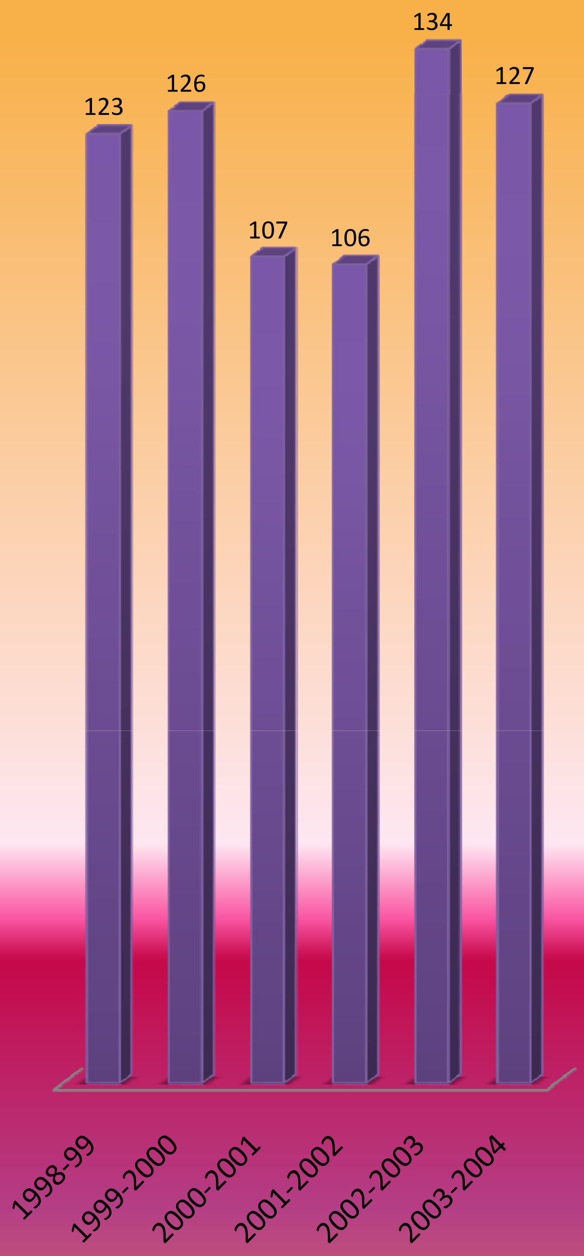

पुनर्मुल्यांकन २०१२-२०१३

वर्षे	बी.ए. I	बी.ए. II	बी.ए. III	कुल
२००४-२००५	७७	२५	१९	१२१
२००५-२००६	७४	२८	२०	१२२
२००६-२००७	६८	२१	२७	११६
२००७-२००८	६९	१२	१६	९७
२००८-२००९	७३	२६	१२	१११
२००९-२०१०	८४	१६	१९	११९
२०१०-२०११	६६	२४	०७	९७
२०११-२०१२	६७	१२	११	९०
२०१२-२०१३	६९	१९	१२	१००

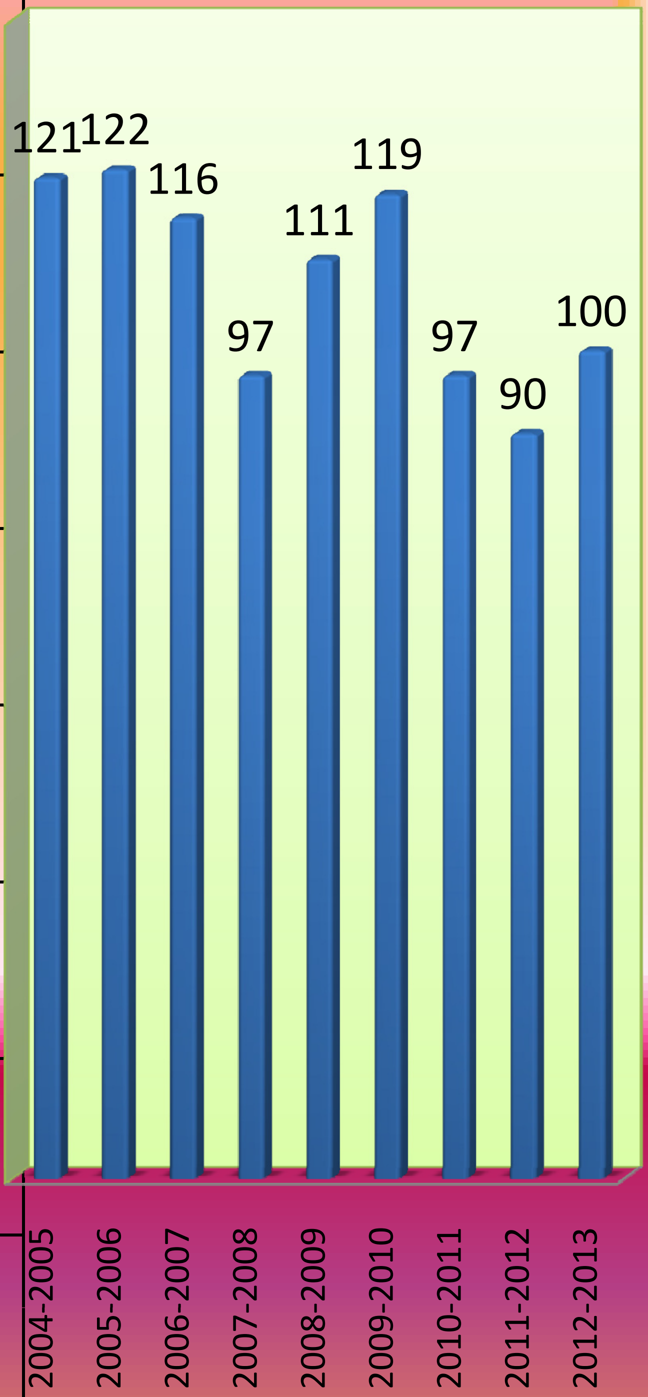

अंतिम वर्ष का परिणाम
नॅक मूल्यांकन २००३-०४

वर्षे	बी.ए.			सरासरी परिणाम
	V	VI	VII	
१९९८-१९९९	९२%	९६%	९६%	९५%
१९९९-२०००	९४%	८९%	९४%	९२%
२०००-२००१	९३%	१००%	१००%	९८%
२००१-२००२	१००%	१००%	१००%	१००%
२००२-२००३	१००%	९४%	१००%	९८%
२००३-२००४	१००%	१००%	१००%	१००%

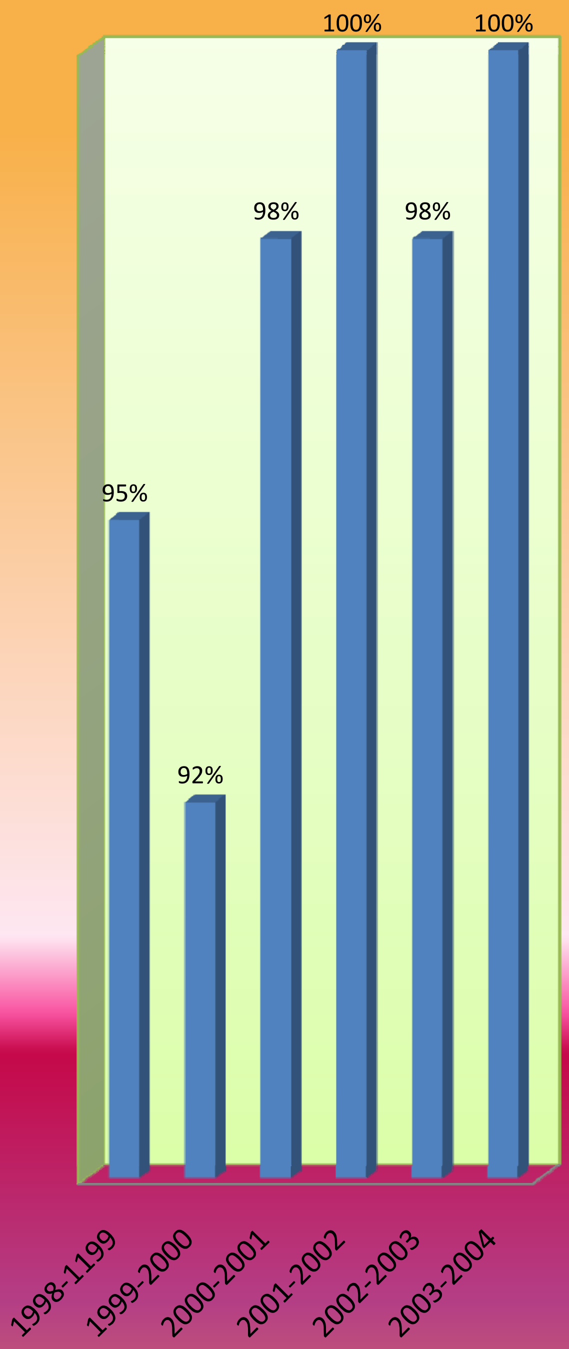

पुनर्मुल्यांकन
2012-2013

वर्षे	बी.ए.			सरासरी निकाल
	V	VI	VII	
२००४-२००५	९३%	९३%	१००%	९५%
२००५-२००६	९२%	७७%	७७%	८२%
२००६-२००७	१००%	१००%	१००%	१००%
२००७-२००८	१००%	१००%	१००%	१००%
२००८-२००९	१००%	९४%	१००%	९८%
२००९-२०१०	१००%	१००%	१००%	१००%
२०१०-२०११	१००%	१००%	१००%	१००%
२०११-२०१२	१००%	१००%	१००%	१००%
२०१२-२०१३	८२%	१००%	१००%	१००%

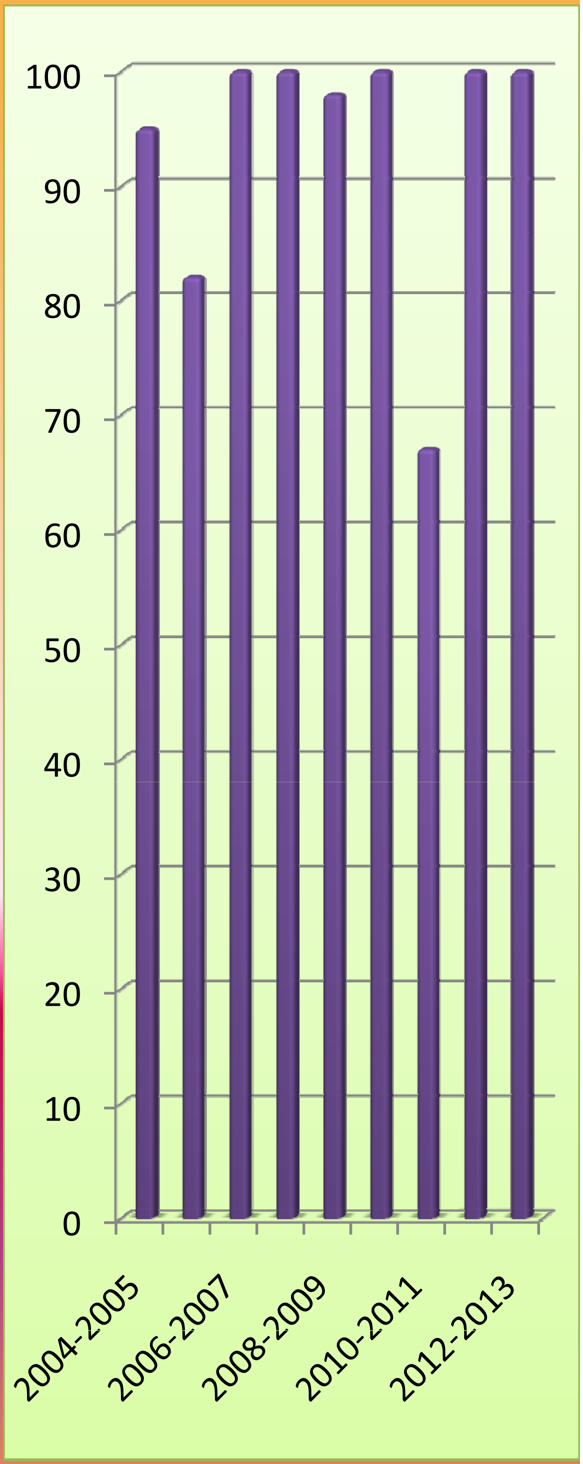

संशोधनात्मक कार्य

अधिवेशन / सेमीनार / वर्कशॉप उपस्थिती एवंम् संशोधन प्रपत्र वाचन (आंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा राज्यस्तरीय)

अ.क्र.	कला शाखा	नॅक २००३-०४	पुनर्मुल्यांकन २०१२-२०१३	कुल
1	डॉ.अल्लाबक्क्ष.एच. जमादार असोसिएट प्रोफेसर	०२	३०	२८
2	असिस्टंट प्रोफेसर विभूते आर.व्ही.	०४	१३	१७
3	असिस्टंट प्रोफेसर मानखेडकर बी.एस.	-	०९	०९

संशोधन प्रकाशन

प्रकाशीत पुस्तकों का आय.एस.एस.एन
/आय.एस.बी.एन. नंबर.

१)स्वंय लेखक/ संपादक

अ. क्र.	कला शाखा	नॅक २००३-०४	पुनर्मुल्यांकन २०१२-२०१३	कुल
1	डॉ.अल्लाबक्ष.एच. जमादार असोसिएट प्रोफेसर	-	०४	०४
2	असिस्टंट प्रोफेसर विभूते आर.व्ही.	-	०३	०३
3	असिस्टंट प्रोफेसर मानखेडकर बी.एस.	-	०२	०२

२) संशोधन प्रपत्र प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय एंव राष्ट्रीय स्तर एवं संगोष्ठी और अधिवेशन

अ.क्र.	कला शाखा	नॅक २००३-०४	पुनर्मुल्यांकन २०१२-२०१३	कुल
1	डॉ.अल्लाबक्क्ष.एच. जमादार असोसिएट प्रोफेसर	-	०४	०४
2	असिस्टंट प्रोफेसर विभूते आर.व्ही.	-	०३	०३
3	असिस्टंट प्रोफेसर मानखेडकर बी.एस.	-	०२	०२

३) संशोधन प्रकल्प विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लघु एवं दीर्घ संशोधन (यु.जी.सी. मायनर)

अ.क्र.	कला शाखा	नॅक २००३-०४	पुनर्मूल्यांकन २०१२-२०१३	कुल
1	डॉ.अल्लाबक्क्ष.एच. जमादार असोसिएट प्रोफेसर	-	०१	१०
2	असिस्टंट प्रोफेसर विभूते आर.व्ही.	-	-	-
3	असिस्टंट प्रोफेसर मानखेडकर बी.एस.	-	-	-

संशोधन मार्गदर्शक पीएच.डी

अ.क्र.	कला शाखा	नॅक २००३-०४		२०१३		
		पंजीकरन	अवॉर्ड	अलॉट	पंजीकरन	अवॉर्ड
१	डॉ.अल्लाबक्क्ष.एच. जमादार असोसिएट प्रोफेसर	०८	०४	०८	०८	०४
२	असिस्टंट प्रोफेसर विभूते आर.व्ही.	-	-	-	-	-
३	असिस्टंट प्रोफेसर मानखेडकर बी.एस.	-	-	-	-	-

संशोधन मार्गदर्शक
एम.फिल

अ.क्र.	कला शाखा	नॅक २००३-०४	पुनर्मुल्यांकन २०१२-२०१३	कुल
१	डॉ.अल्लाबक्क्ष.एच. जमादार असोसिएट प्रोफेसर	-	०२	०२
२	असिस्टंट प्रोफेसर विभूते आर.व्ही.	-	-	-
३	असिस्टंट प्रोफेसर मानखेडकर बी.एस.	-	-	-

महाविद्यालय एंव विश्वविद्यालय विकास में प्रमुख भूमिकाएँ

डॉ. अल्लाबक्क्ष एच. जमादार (असोसीएट प्रोफेसर)

अ.क्र.	महाविद्यालय	विश्वविद्यालय
१	चेअरमन नॅक प्लानींग समिति	चेअरमन- हिन्दी अध्ययन मंडल स्वामी रामानंद तिर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड
२	विद्यार्थी संसद सदस्य	विद्या परिषद सदस्य
३	शिस्त समिति सदस्य	बी.यु.टी.आर. कला शाखा आर्टस्
४	संशोधन समिती मार्गदर्शन	आर.आर.सी. समिति सदस्य
५	पूर्व विद्यार्थी संघटना सदस्य	कला शाखा सदस्य (Faculty)
६	ग्रंथालय सदस्य समिति	एस.आर.टी. युनर्व्हिसीटी,नांदेड
७	चेअरमन ऑफ सी.ओ.सी.	सदस्य महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक अभ्यास मंडळ पुणे , महाराष्ट्र इंन्स्टयूट व मेडिकल सायन्स व रिसर्च, लातूर (मेडीकल कॉलेज, लातूर)

८		महाराष्ट्र उदयगिरी महाविद्यालय, उदगीर
९		चेअरमन, भरारी पथक (squad)
१०		जी.सी.एस. महाविद्यालय (उजवेल ग्रामीण महाविद्यालय,घोणशी)
११		चेअरमन कॉलेज पेपर तपासणी समिती (सुशिलादेवी देशमुख महाविद्यालय आणि जयक्रांती महाविद्यालय, लातूर) कै. व्यंकटराव देशमुख महाविद्यालय, बाभळगांव जिला. लातूर
१२		सदस्य पेपर सेटींग म चेअमरन व सी.ओ.सी. पाठ्यक्रम

		विषयतज्ञ १. कै. रमेश वरपुरकार आर्टस् व कम्युनिटी कॉलेज,सोनपेठ, जिला. परभणी. २. श्रीकुमार स्वामी कॉलेज, औसा जिला लातूर ३. कै. बापूसाहेब पाटील एकंबेकर आर्टस् व विज्ञान कॉलेज, हानेगांव ता. देगलूर जिला नांदेड. ४. कै. बापूरावजी पाटील आर्टस् सायन्स कॉलेज, हिंगोली. ५. शिवनेरी कॉलेज, शिरुर अनंतपाळ जिला. लातूर. ६. रेणुकादेवी आर्टस् कॉलेज,ता. माहूर जिला. नांदडे ७. श्री. छत्रपती आर्टस् सायन्स कॉलेज, जवळा बाजार ता. औंढा नागनाथ जिला. हिंगोली.

१३		चेअरमन और सदस्य विश्वविद्यालय आफिलेशन समिति स्वा.रा. ती. म. वि. नांदेड
		१. सदस्य आफिलेशन समिति एज्युकेशन सोसायटी, नायगांव जिला. नांदेड २. सदस्य अफिलेशन ग्रामीण आर्टस् कॉमर्स आणि सायन्स कॉलेज, वसंतनगर (कोटग्याळ) ता. मुखेड जिला. नांदेड.

असिस्टंट प्रोफेसर विभूते आर.व्ही.

अ.क्र.	महाविद्यालय	विश्वविद्यालय
१	एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी	जे.सी.एस.(७ बार)
२	सांस्कृतिक विभाग	सी.एस. संजीवनी कॉलेज, चापोली (२००३)
३	वेळापत्रक समिति	चेअरमन परीक्षा भरारी पथक
४	विद्यार्थी कल्याण मंडल समिति	एन.एस.एस. क्षेत्रिय समन्वयक
५	क्रीडा सलाहागार समिति	एन.एस.एस.लातूर जिला. समन्वयक
६	स्पंदन सदस्य	चेअमरन पेपर सेटर
७	प्रसिध्दी विभाग सदस्य	सदस्य पेपर सेटर तथा मॉडेटर
८	चेअरमन फिडबॅक समिति	चेअरमन सी.ओ.सी. पाठ्यक्रम
९	सदस्य एल.एम.सी.	
१०	एन.एस.एस. कार्यक्रमाधिकारी	
११	एन.एस.एस. सलाहागार सदस्य	

असिस्टंट प्रोफेसर मानखेडकर बी.एस.

अ.क्र.	**महाविद्यालय**	**विश्वविद्यालय**
१	प्रवेश समिति सदस्य	सदस्य पेपर सेटर व परीक्षक
	संस्कृतिक समिति सदस्य	सदस्य पेपर सेटर फंग्शनल हिन्दी
३	भरारी पथक समिति सदस्य	सदस्य विश्वविद्यालय भरारी पथक
४	मागासवर्गीय समिति सदस्य	
५	विद्यार्थी वेलफेयर सदस्य	
६	ए.सी.एस. परीक्षा विभाग सदस्य	
७	क्रिडा विभाग समिति , सदस्य	
८	एन.एस.एस. सलाहागार सदस्य	

विभाग का बल एवं खामिया तथा उपलब्धियाँ एवं चुनौतियाँ

सामर्थ्य / मजबूतपणा	**कमजोरियाँ**
* हिन्दी पुस्तके अधिक से अधिक उपलब्ध * विद्यार्थीओंका सेमीनार, वर्कशाप, गटचर्चा लेकर मंच उपलब्ध करा देना * हिन्दी विभाग में पात्रता धारक अध्यापक है	हिन्दी भाषा का मराठी के कारण कम अधिक में प्रभाव लक्षीत होता है
सुअवसर / उपलब्ध क्षेत्र	**चुनोतियाँ**
* हम विद्यार्थीओं को एम. सी .क्यू. , जैसे एम.पी.एस्सी. के तरह विद्यार्थी को नेट, सेट की तैयारी कर लेतें है । संशोधन के लिए विद्यार्थीओं को बढावा देते हैं। जैसे मीडिया, संवादाता, पत्रकारिता अनुवाद का क्षेत्र,विज्ञापन लेखन, समाचार लेखन।	* वैश्वीकरण मे रोजगारभिमूख, व्यवसायिक, प्रयोजन मूलक रुप में व्यापार क्षेत्र, विधि क्षेत्र, वाणिज्य क्षेत्र, तकनीकी क्षेत्र से विद्यार्थाओं को जागरूक करना , शैक्षणिक स्तर पर मार्गदर्शन करना यही हमारा लक्ष्य है।

हिन्दी विभाग के भविष्य की योजनाएँ

१. साहित्य सृजन मे योगदान
२. राष्ट्रीय संगोष्ठीयों का आयोजन
३. आदर्श परिणामों की परंपरा
४. एम.सी.क्यू. से एम.पी. एस्सी. और नेट/ सेट कोर्स का आयोजन करना ।
५. संशोधन कार्य से छात्रो में अनुसंधान के प्रति बढावा देना और उन्हे प्रेरीत करना ।
६. हिन्दी विभाग में विश्वविद्यालय स्तर के प्रोफेसर का व्याख्यान आयोजित करना ।
७. महाविद्यालय के हिन्दी छात्रों को बँको की तथा कार्यलयों की भाषा से अवगत कराना ।
८. १४ सितम्बर हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी प्रचार प्रसार के लिए समारोह का आयोजन करना ।
९. महाविद्यालय के हिन्दी विषय का अध्ययन करनेवाले छात्रों को खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा अन्य प्रतियोगिताओं मे हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करना ।
१०.संगनकीय हिन्दी भाषा से परिचय करना।

डॉ. अल्लाबक्क्ष एच.जमादार
अध्यक्ष हिन्दी विभाग (असोसिएट प्रोफेसर)
भाई किशनराव देशमुख महाविद्यालय, चाकूर तथा
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल, स्वा.रा.ती.म.वि., नांदेड

प्रा. विभूते आर.व्ही.
(असिस्टंट प्रोफेसर)

प्रा. मानखेडकर बी.एस.
(असिस्टंट प्रोफेसर)

डॉ. अल्लाबक्ष एच.जमादारजी महाराष्ट्र महाविद्यालय, निलंगा के राष्ट्रीय संगोष्ठी मे अपने विचार व्यक्त करते हुए।